विषय–हिन्दी विशिष्ट **Set-C**

निर्देश : (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कुल 25 प्रश्न हैं।

(ii) प्रश्न क्रमांक 1 वस्तुनिष्ठ प्रश्न है। खण्ड (अ) में 5 अंक बहुविकल्पीय एवं खण्ड-(ब) में 5 अंक रिक्त स्थानों की पूर्ति के लिए निर्धारित हैं। कुल 10 अंक हैं।

(iii) प्रश्न क्रमांक 2 से 7 में 2 अंक निर्धारित हैं। शब्द सीमा 30 शब्द है।

(iv) प्रश्न क्रमांक 8 से 13 में 3 अंक निर्धारित हैं। शब्द सीमा 50 शब्द है।

(v) प्रश्न क्रमांक 14 से 19 में 4 अंक निर्धारित हैं। शब्द-सीमा 75 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न में विकल्प है।

(vi) प्रश्न क्रमांक 20 से 23 में 5 अंक निर्धारित हैं। शब्द-सीमा 100 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न में विकल्प है।

(vii) प्रश्न क्रमांक 24 एवं 25 में 8-8 अंक निर्धारित हैं। निबंध लेखन में शब्द-सीमा 250 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न में विकल्प है।

(खण्ड-अ) सही विकल्प चुनकर लिखिए :

(i) 'पद्मावत' किसके द्वारा लिखित महाकाव्य है?

(अ) जायसी (ब) तुलसी
(स) कबीर (द) सूर

(ii) भाग्यवाद किसका आवरण है?

(अ) पुण्य (ब) पाप
(स) कर्म (द) श्रम

(iii) छत्तीसगढ़ के जाँजगीर जिला में जन्मे छत्तीसगढ़ी साहित्यकार का क्या नाम है?

(अ) पं. श्यामलाल चतुर्वेदी (ब) बनारसी दास चतुर्वेदी
(स) हजारी प्रसाद द्विवेदी (द) गुरु घासीदास

(iv) अंग्रेजी साहित्य के सुप्रसिद्ध निबंधकार कौन थे?

(अ) शेक्सपियर (ब) ए. जी. गार्डिनर
(स) बाणभट्ट (द) बख्शी जी

(v) मुहावरा वाक्यांश होता है। कहावत क्या होता है?

(अ) शेषांश (ब) अपूर्ण वाक्य
(स) पूर्ण वाक्य (द) अर्ध वाक्य

(खण्ड-ब) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(i) रचना की दृष्टि से वाक्य के कुल .... प्रकार हैं।

(ii) छप्पय छंद में .... चरण होते हैं।

(iii) उद्धव प्रसंग .... खण्डकाव्य से लिया गया है।

(iv) घनानंद ने संदेश भेजने के लिए .... को दूत बनाया।

(v) 'तारसप्तक' का संबंध .... वाद से है।

2. पुरुषार्थ किसे कहते हैं?

3. रस की परिभाषा लिखकर उसके अंगों के नाम लिखिए।

4. लोककथा किसे कहते हैं?

5. लोकमान्य तिलक कितने वर्ष तक मॉडले जेल मे रहे? मॉडले जेल में उन्होंने किस ग्रन्थ की रचना की?

6. किसने किससे कहा—"उनके चेहरे का रंग बता सकते हैं आप?"

7. बेजुबान किसे कहते हैं?

8. दु:खों के क्रम को ही क्यों सत्य माना गया है?

9. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए :

(i) हम प्रात:काल के समय घूमने जाते हैं।
(ii) उनका बहुत भारी सम्मान हुआ।
(iii) उसे अनुत्तीर्ण होने की आशा है।

10. सर्वधर्म सम्प्रदाय का क्या स्वरूप होना चाहिए? 'विश्वमंदिर' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

11. निम्नलिखित मुहावरों के वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

(i) बोली का मरहम लगाना
(ii) तबीयत हरी होना
(iii) देवी-देवता मनाना

12. साधु की कौन-कौन सी विशेषताएँ होती हैं?

13. उद्धव के ब्रज आगमन की सूचना पाकर गोपियों पर क्या प्रतिक्रिया हुई?

14. "हाँ कि गर्व रथ में तुरंग-सा जितना चाहे जो जुत ले" पंक्ति का क्या आशय है? समझाइए।

अथवा

'इन्द्रनील मणि महाचषक' से कवि का क्या आशय है?स्पष्ट कीजिए।

15. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' **अथवा** घनानंद का परिचय निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर दीजिए :

(i) रचनाएँ (कोई दो)
(ii) भावपक्ष एवं कलापक्ष
(iii) साहित्य में स्थान

16. "परिवार में दादाजी की भूमिका बरगद के पेड़ के समान थी।" उपयुक्त उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'उसने कहा था' कहानी के शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

17. चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' अथवा आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का परिचय निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर दीजिए :

(i) रचनाएँ (कोई दो (ii) भाषा तथा शैली (iii) साहित्य में स्थान

a2zsubjects.com

18. कवि के अनुसार समाज में सुख-समृद्धि और शांति की स्थापना के लिए कैसा परिवर्तन अपेक्षित है?

अथवा

विराट सत्ता के विषय में मनु के चिंतन को स्पष्ट कीजिए।

19. पद्मावती के सौन्दर्य का सरोवर पर क्या प्रभाव पड़ा?

अथवा

"जायसी सूफी परंपरा के कवि थे।" इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

20. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **एक** की संदर्भ, प्रसंग, विशेष सहित व्याख्या कीजिए :

"सच तो यह है कि ढोल की ध्वनि के साथ आनंद का कलरव, उत्सव का प्रमोद और प्रेम का संगीत–ये तीनों मिले रहते हैं। तभी इसकी कर्कशता समीपस्थ लोगों को भी कटु नहीं प्रतीत होती और दूरस्थ लोगों के लिए तो यह अत्यंत मधुर बन जाती है।"

अथवा

"संभवत: माँ ही ऐसा प्राणी है, जिसे कभी न देख पाने पर भी मनुष्य ऐसे स्मरण करता है, जैसे उसके संबंध में कुछ जानना बाकी नहीं। यह स्वाभाविक भी है। मनुष्य को संसार से बाँधने वाला विधाता माँ ही है। इसी से उसे न मानकर संसार को न मानना सहज है, पर संसार को मानकर उसे न मानना असंभव ही रहता है।"

21. छायावाद की कोई **तीन** विशेषताएँ लिखिए। **तीन** प्रमुख कवियों के नाम देते हुए उनकी **एक-एक** रचना का नाम लिखिए।

अथवा

प्रगतिवाद की तीन विशेषताएँ लिखकर तीन प्रमुख कवियों के नाम देते हुए उनकी एक-एक रचना का नाम लिखिए।

22. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी **एक** पद्यांश की संदर्भ, प्रसंग, विशेष सहित व्याख्या कीजिए :

आवत गारी एक है,उलटत होत अनेक।
कह कबीर नहीं उलटिए, वही एक की एक॥
गोधन, गजधन, बाजिधन और रतनधन खान।
जब आवै संतोष धन, सब धन धूरि समान॥

अथवा

सिकता की सस्मित सीपी पर,
मोती की ज्योत्स्ना रही विचर।
लो पालें चढ़ी, उठा लंगर।
मृदु मंद-मंद, मंथर-मंथर,
लघु तरणि हंसिनी-सी सुन्दर।
तिर रही खोल पालों के पर।
निश्चल जल के शुचि दर्पण पर,
बिंबित हाक रजत पुलिन निर्भर।
दुहरे ऊँचे लगते क्षण भर।
कालाकांकर का राजभवन,
सोया जल में निश्चिंत प्रमन।
पलकों पर वैभव स्वप्न सघन॥

23. रायपुर नगर निगम के महापौर के पास एक शिकायती पत्र लिखिए जिसमें मुहल्ले में सफाई न होने के संबंध में शिकायत हो।

अथवा

संचालक, नवबोध प्रकाशन, रायपुर को कक्षा 12वीं की पुस्तकें क्रय करने हेतु एक पत्र लिखिए।

24. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

"मानव के व्यक्तित्व का निर्माण करने वाले विभिन्न तत्वों में चरित्र का सबसे अधिक महत्व है। चरित्र एक ऐसी शक्ति है, जो मानव जीवन को सफल बनाती है। चरित्र की शक्ति ही मानव जीवन में आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता उत्पन्न करती है। चरित्र मनुष्य के कार्यकलाप और आचरण के समूह का नाम है। चरित्र रूपी शक्ति, बुद्धि और सम्पत्ति की शक्ति से भी महान होती है। इतिहास इस बात का गवाह है कि कई चक्रवर्ती सम्राट धन, पद और विद्या के स्वामी थे, किन्तु चरित्र के अभाव में वे अस्तित्वहीन हो गए। तन-मन की पवित्रता, कर्त्तव्य की भावना, परोपकार और समाज की सेवा भी चारित्रिक गुणों में ही आती है। मानव जीवन की सम्पूर्ण सफलता, यश और गौरव अर्जित करने के लिए आवश्यक है कि प्रत्येक व्यक्ति अपने चरित्र को ऊँचा बनाए। व्यक्तियों का सामूहिक चरित्र राष्ट्रीय चरित्र के नाम से जाना जाता है।"

(i) उपयुक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।
(ii) चरित्र किसे कहते हैं?
(iii) चरित्र की तुलना किससे की गई है?
(iv) मानव जीवन की सफलता के लिए क्या आवश्यक है?
(v) व्यक्तियों का सामूहिक चरित्र किसके नाम से जाना जाता है?

25. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग **250** शब्दों में सारगर्भित निबन्ध लिखिए :

(i) विज्ञान की उपलब्धि–कम्प्यूटर
(ii) विद्यार्थी जीवन में अनुशासन
(iii) पर्यावरण प्रदूषण
(iv) स्वच्छता अभियान में छात्रों की भूमिका
(v) दहेज प्रथा–एक अभिशाप